महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

गायन और वादन का अभ्यासक्रम

संगीताचार्य (दसवां एवम ग्यारहवाँ वर्ष).

क्रियात्मक -कुल अंक 700 अंक (क्रियात्मक परीक्षा - 300 अंक + दो सभागायन 100 + 100 = 200 अंक + प्रशिक्षण - 100 अंक + निबंध - 100 अंक), क्रियात्मक का ज्यादा महत्व रखा है.

समय: - 2 साल, अलंकार पूर्ण उत्तीर्ण होने के बाद (कम से कम 500 घंटे का प्रशिक्षण).

परीक्षा समय: - क्रियात्मक परीक्षा -120 मिनिट (2 घंटे) + दो सभागायन - 60 - 60 मिनिट के (2 घंटे) + प्रशिक्षण - 90 मिनिट (1.30 घंटे).

<u>क्रियात्मक</u> - 300 अंक : -

<u>राग ज्ञान</u> : - 1) राग संख्या : - 10.

<u>बडे ख्याल के राग</u>: -

(1) बहादुरीतोड़ी (2) जयंतमल्हार (3) वसंतीकेदार (4) बिहागड़ा (5) हेमकल्याण (6) देवगंधार

(7) कौशीकानडा (8) ललितागौरी (9) जेतश्री (10) भैरवबहार.

<u>सूचना</u>: - (क) इन में से किन्ही 6 रागों में ढंगदार विस्तृत गायकी 25 से 30 मिनिट करनी होगी. बड़ा ख्याल विलंबित एकताल,विलंबित झपताल,विलंबित झूमरा, विलंबित तिलवाड़ा या विलंबित तीनताल - किसी भी ताल में कर सकते है.

(ख) विध्यार्थी को सभी राग तैयार करने है. परीक्षक की इच्छानुसार रागों की प्रस्तुति करनी होगी.

2) <u>रागांग पद्धति</u>: -

क) विद्यार्थी को पंडित नारायण मोरेश्वर खरे द्वारा बताई रागांग पद्धति और उन के द्वारा बताए गए रागांगों का गहन अभ्यास करना होगा.

ख) अलंकार -2 तक के सभी रागो को रागांग पद्धति से वर्गीकरण करके, उन रागों में नजर आते रागांग के बारें में बताने की क्षमता.

ग) नीचे दिए गये 10 प्रचलित हर एक रागांग में आने वाले 2 - 2 रागों की गायकी अंग से 20 से 25 मिनिट के लिए ढंगदार प्रस्तुति करनी होगी.

1) भैरव 2) कल्याण 3) बिलावल 4) मल्हार 5) कानडा 6) सारंग 7) बिहाग 8) पूर्वी 9) मारवा 10) तोड़ी.

3) <u>प्रशिक्षण के लिए राग</u>: - (100 अंक)

1) नन्द 2) वसंत 3) तोड़ी 4) भटियार 5) कोमल रिषभ आशावरी.

<u>सूचना</u>: - **1)** प्रशिक्षण की समय अवधि 45 - 45 मिनिट के दो तास रहेंगे. **2)** परीक्षक की इच्छानुसार राग का प्रशिक्षण देना होगा. **3)** प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को समिति निमंत्रण देगी.

4) <u>सभागायन - 1</u> (100 अंक)

5) <u>सभागायन - 2</u> (100 अंक)

गायन के विद्यार्थी संगत के लिए संवादिनी (हारमोनियम)/सारंगी/वायोलिन वाद्य का उपयोग कर सकते है.

6) <u>निबन्ध के विषय</u>: - (100 अंक)

(1) गायन के लिए स्वर साधना और उसकी पद्धतियाँ (2) गायन वादन का प्रशिक्षण और उस समय ध्यान में रखने योग्य बातें (3) गायन वादन की मंच प्रस्तुति (4) गायन वादन में रसभाव की निष्पति (5) गायन वादन कला और शास्त्र (6) राग और बंदिश (7) लोक संगीत शास्त्रीय संगीत की नीव है. (8) संगीत की पुस्तकें और संगीत (9) संगीत सीखने की अर्वाचीन पद्धतियाँ (10) सम प्रकृति और - सम आकृति रागों का तुलनात्मक विवेचन.

<u>सामान्य सूचना</u>

1) अलंकार - 2 तक के सभी रागों का सम्पूर्ण ज्ञान.
2) कम से कम 2 साल के प्रशिक्षण का अनुभव होना जरूरी है.
3) किसी भी एक घराने का और रागांग पद्धति का पूर्ण ज्ञान. (घराने के गायक और बंदिशों के साथ).
4) स्वर रचना का अनुभव - दी गई रचना का तुरंत स्वरांकन करने की क्षमता.
5) हारमोनियम (संवादिनी) / तबला संगत करने की क्षमता.
6) विद्यार्थी को योग्य तरीके से, पद्धतिसर तालीम देने की क्षमता.
7) संगीत के विषय पर व्याख्यान देने की क्षमता.
8) किसी भी राग के पास के / समप्रकृतिक के रागों के बारे में समझाने की क्षमता.
9) ख्याल गायन के अलावा, अन्य किसी गायन वादन के प्रकार की तालीम देने की क्षमता. (अन्य प्रकार अर्थात द्रुपद - धमार - ठुमरी - टप्पा).
10) 2 सभागायन रहेंगे. प्रत्येक सभागायन 60 -60 मिनिट का होंगा.
11) प्रत्येक सभागायन में एक राग संगीताचार्य अभ्यासक्रम का और एक राग संगीत अलंकार अभ्यासक्रम का प्रस्तुत करना होगा.
12) परीक्षार्थी को एक निबंध प्रस्तुत करना होगा. निबंध मौलिक होना चाहिए. किताब, इंटरनेट या अन्य साहित्य से नकल किया हुआ स्वीकार्य नहीं है. विषय के बारे में विध्यार्थी को अपने खुद के विचार और विवेचन बताना होगा. निबंध स्वलिखित होगा तो <u>60 पृष्ट का</u> और अगर टाइप किया होगा तो <u>35 पृष्ट</u> तक का प्रस्तुत करना होगा। (शब्द की संख्या 5000 से 6000 तक की).
13) निबंध के बारे में सभा में 10 से 15 मिनिट का व्याख्यान देना होगा. पावर पॉइंट प्रेजेंन्टेशन स्वीकार्य है.
14) तबला संगत की व्यवस्था विद्यार्थी को करनी है. अगर समिति को पहले से बताएँगे तो संगतकार की व्यवस्था समिति करेगी, जिस का भुगतान नियमानुसार विध्यार्थी को करना होगा.
15) परीक्षा की 4 बेठक होगी. (1) सभागायन -1 (60 मिनिट) (2)सभागायन -2 (60 मिनिट) (3) संगीत की क्रियात्मक परीक्षा - 120 मिनिट (4) संगीत प्रशिक्षण के लिए 90 मिनिट दिए जाएंगे.
16) <u>परीक्षा का आयोजन सूरत केन्द्र में रहेगा. विध्यार्थी को अपनी,अपने गुरुजी की और अपने संगतकारों की रहने - खाने की व्यवस्था करनी होगी</u>. **<u>संगीताचार्य की परीक्षा अक्तूबर - नवंबर सत्र में ही ली जाएगी.</u>**
17) क्रियात्मक परीक्षा के एक मास पहले, विद्यार्थी को निबंध की 3 कॉपी समिति को देनी होगी.
18) निबंध के विषयो की सूची दी गई है.
19) परिणाम आने के बाद, विद्यार्थी और समिति दोनों, निबंध का उपयोग कर सकते है.
20) परीक्षा उत्तीर्ण होने के और वर्ग मिलने के नियम: -

क) विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 अंक सभी परीक्षा में अलग अलग लाने होंगे.
ख) कृपा अंक का लाभ नहीं मिलेगा. ग) विशेष योग्यता - 70 % और उससे ज्यादा.
घ) प्रथम वर्ग 60% या उससे ज्यादा. च) द्वितीय वर्ग 50% या उससे ज्यादा.